Maithili

MIC-01

Credit -03

Marks-100

मैथिली साहित्यक आदिकाल एवं मध्यकाल

प्राचीन भारतीय भाषा–साहित्य मध्य मैथिलीक अत्यन्त समृद्धशाली परम्परा अछि। एकर आरम्भ आठम शताब्दीसँ मानल जाइत अछि। तेरहम शताब्दीक 'वर्णरत्नाकर' भारतक समस्त आधुनिक भाषा मध्य प्राचीनतम गद्य–ग्रन्थ थिक। मैथिली साहित्यक मध्यकालीन नाटक पूर्वोत्तर भारतीय साहित्यक गौरव थिक। एहि पत्रमे मैथिली साहित्य आदिकालीन विषय–वस्तु तथा मध्यकालीन नाट्य साहित्यक विविध पक्षक बण्ससल कएल जाएतः–

	व्याख्यान L - T - P
इकाइ 01– • काल विभाजन • आदिकालीन सामग्री • ज्योतिरीश्वर ओ हुनक वर्णरत्नाकर	09 – 02 – 00
इकाइ 02– नेपालक मैथिली नाटक • नेपालक मैथिली नाट्य–परम्परा • हरगौरी विवाह नाटक परिचय एवं नाटककार जगज्योतिम्मर्मल्लक	09 – 02 – 00
इकाइ 03– आसामक मैथिली नाटक • आसामक मैथिली नाट्य–परम्परा • रामविजय नाटक परिचय एवं नाटककार शंकरदेवक	09 – 01 – 00
इकाइ 04– मिथिलाक मैथिली नाटक • मिथिलाक मध्यकालीन नाट्य–परम्परा • पारिजात हरण नाटक परिचय एवं नाटककार उमापतिक	09 – 01 – 00
Total	36+06+00=42

निर्धारित ग्रन्थ

1. वर्णरत्नाकर, ज्योतिरीश्वर, प्र०–मैथिली अकादमी, पटना
2. हरगौरी विवाह, जगज्योतिर्म्मल्ल प्र०– नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. राम विजय–शंकर देव, नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा

सहायक गन्थ

1. मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, प्र०–साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा श्रीश प्र०– मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, दिनेश कुमार झा, प्र०–मैथिली अकादमी, पटना

14.06.23 14.6.23 Aruna Chaudhary 14.6.23